**प्रेस विज्ञप्ति**

**श्री कुमार मंगलम बिड़ला द्वारा आईआईएमए के 56वें दीक्षांत समारोह कावर्चुअली (आभासी)संबोधन**

*-- पीएच.डी., पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम और पीजीपीएक्स कार्यक्रमों के 605 छात्रों को डिग्री प्रदान कीगई।*

*-- श्री कुमार मंगलम बिड़ला ने आईआईएमए के छात्रों को अपने अडिग लक्ष्यपर स्पष्ट रहने और बौद्धिक स्तर (आई.क्यू.) के साथ भावनात्मक स्तर (ई.क्यू.) को पूरक बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।*

**8 मई, 2021**: भारत के अग्रणी एवं विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रबंधन संस्थान, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) ने अपना 56वाँ वार्षिक दीक्षांत समारोह वर्चुअल रूप सेआज दोपहर 12:00 बजे आयोजित किया। श्री कुमार मंगलम बिड़ला, अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईएमए और प्रोफ़ेसर एर्रोल डि’सूजा, निदेशक, आईआईएमए ने इस अवसर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबकि बोर्ड के अन्य सदस्य, संकाय गण, कर्मचारीगण, पूर्वछात्र, स्नातक होने वाले छात्र और उनके परिवार के सदस्य इस आयोजन में वर्चुअल रूप से शामिल हुए। इस समारोह का जीवंत प्रसारण [https://www.iima.ac.in/convocation2021](https://www.iima.ac.in/convocation2021/)/ पर दोपहर को प्रसारित किया गया।

श्री कुमार मंगलम बिड़ला, अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईएमए ने प्रथम वर्चुअल (आभासी) दीक्षांत समारोह के शुभारंभ की घोषणा करके समारोह को यादगार बनाते हुए मंच की शोभा बढाई। इसके बाद श्री बिड़ला ने पीएच.डी. की उपाधियों, एमबीए, एमबीए-एफ़एबीएम, और एमबीए-पीजीपीएक्स की डिग्रियों और शैक्षिक पदकों से छात्रों को सम्मानित किया। इसके बाद श्री बिड़ला ने दीक्षांत भाषण दिया।

कुल 605 स्नातक छात्रों को उपाधियों, डिग्रियों से सम्मानित किया गया और इसमें आईआईएमए के पूर्णकालिक दीर्घावधि कार्यक्रम, यानी प्रबंधन में पीएच.डी.,पीजीपी-प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम, एफ़एबीएम-एमबीएम- खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम और एमबीए-पीजीपीएक्स- कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के छात्र शामिल थे। प्रत्येक कार्यक्रम मेंसर्वश्रेष्ठ छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **कार्यक्रम का नाम**  | **बैच** | **स्नातक हुए छात्र** | **स्वर्ण पदक विजेता** |
| प्रबंधन में पीएच.डी. | **2021****(स्नातक वर्ष)** | **15** | **\_** |
| प्रबंधन में दो-वर्षीयस्नातकोत्तरकार्यक्रम (एमबीए) | **2019-21** | **405** | 1. अखिल मंगला
2. अरुणाभ सक्सेना
3. विकास कुमार
 |
| खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में दो-वर्षीय स्नातकोत्तरकार्यक्रम (एमबीए-एफ़एबीएम)  | **2019-21** | **45** | **\_** |
| कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एक-वर्षीय स्नातकोत्तरकार्यक्रम (एमबीए-पीजीपीएक्स) | **2020-21** | **140** | 1. दीप कर बोथरा
 |
| **कुल स्नातक हुए छात्र** | **605** |  |

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, श्री बिड़ला ने स्नातक होने वाले छात्रों को बधाई दी और कहा कि,

"यह महत्वपूर्ण है कि आपअपने *अडिग लक्ष्यके लिए* स्पष्ट रहें, लेकिन इसके साथ ही साहसी और प्रायोगिक भी रहें, अपने भविष्य के निर्माण में इन अनुभवों का उपयोग करें तथाअपनेबौद्धिक स्तर (आई.क्यू.) को अपनेभावनात्मक स्तर (ई.क्यू.)के साथ पूरक बनाएँ। मैं आई.क्यू.और ई.क्यू.कोदोहरे (बाइनरी) गुणों के रूप में नहीं देखता, बल्कि एक व्यक्तित्व को पूर्ण बनाने वाले पूरक गुण के रूप में देखता हूँ।आपको अपनी सोच में अन्य आयामों को जोड़ना होगा, और इनमें सबसे महत्वपूर्ण हैं,सहानुभूति तथा विनम्रता को जोड़ना।

जब आप कुछ वर्षों के बाद पीछे मुड़कर देखेगें तो आपको खुद से सिर्फ एक सवाल पूछना चाहिए। क्या मैंने कुछ अलग करके दिखाया? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप एक विपणनकर्ता हैं या एक सलाहकार, एक उद्यमी हैं या एक तकनीकी विशेषज्ञ। क्या आपने अपने क्षेत्र में प्रगति की है और ज्ञान तथा बुद्धिमत्ता के संचयी भंडार में कुछ जोड़ा है? अगर जवाब हाँ है, तो आपने इस प्रतिष्ठित संस्थान की समृद्ध विरासत में जीने के साथ और इससे प्राप्त ज्ञान के साथ न्याय किया है।”

अपने समापन भाषण में, आईआईएमएके निदेशक, प्रोफ़ेसर एर्रोल डि'सूजा ने महामारीके दौरान छात्रों और शिक्षकों की दृढ़ता एवं कड़ी मेहनत की सराहना की। प्रोफ़ेसर डि'सूजा ने कहा, "जो उचित है वह करना संगठनों में वफादारी और अच्छी नागरिकता दिखाने के लिए अक्सर संघर्ष के रूप में होता है"उसी में रहकर छात्र आगे काम करेंगे।हालांकि, एक अस्थिर, अनिश्चित, जटिल एवं अस्पष्ट (वीयूसीए -वॉलेटिलिटी, अनसर्टेन्टी, कॉम्प्लेक्सिटी और एम्बिग्विटी)दुनिया में, हमें ऐसे लोगों की आवश्यकता है जो न्यायपूर्ण और निष्पक्ष हैं।" उन्होंने इस चुनौतीपूर्ण वर्ष के दौरान अस्थिरता के माहौल में संस्थान में अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए छात्रों को बधाई दी और उन्हें बाहर कदम रखने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसके लिए वे पूरी तरह से सक्षम हैं। जो ना केवल उनकेभविष्य के लिए बल्कि पूरी मानव जाति के लिए भी फायदेमंद हो उसके लिए उन्हें प्रोत्साहित किया।

मौजूदा महामारी की चुनौतियों के बावजूद, कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने अपने उत्साह को बनाए रखा, और अकादमिक एवं पाठ्येतर गतिविधियों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनदिखाया।

भारत की सबसे बड़ी प्रबंधन संगोष्ठी*रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन*, एशिया का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय खाद्य, कृषि-व्यवसाय तथा ग्रामीण विकास शिखर सम्मेलन,*कृषि मंथन,*छात्र नेतृत्व वाले कार्यक्रम थे जो काफी सफल रहे। महामारी के दौरान,छात्रों की सामाजिक शाखा नेसमुदाय के कमजोर वर्गों तक,वित्तीय सहायता प्रदान करने, सामुदाय को खाना प्रदान करने और प्रवासी कामगारों को उनके गृहनगर के लिए सुरक्षित यात्रा की सुविधा देने के साथअपनी पहुँच बनाई है।

परंपरागत रूप से, आईआईएमए में दीक्षांत समारोह लुई काह्न प्लाज़ा के हरे-भरे प्रांगण में आयोजित किया जाता है, जहाँशासी मंडल के अन्य सदस्यों, संकायों और छात्रों सहितआईआईएमएके अध्यक्ष और निदेशक के नेतृत्व में दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाता है। इस वर्ष, कोविड-19 के कारण लागू सरकारी नियमों का पालन करने के लिए, आईआईएमए अपने 56वें दीक्षांत समारोह को डिजिटल माध्यम से मनाया गया है।

हालांकि ऑनलाइन समारोह कई मायनों में अलग था, इसने संस्थान में अध्ययन करने वाले, रहने वाले और पढ़ाई करने वाले कई लोगों की यादों को जीवंत कर दिया। जबकि स्नातक होने वाले छात्रों, उनके परिवार के सदस्यों और दोस्तों ने दूर से अपने घरों में ही सुरक्षित रहते हुए दीक्षांत समारोह को देखा, बड़ी संख्या में संकाय और कर्मचारी परिसर से, अपने सुरक्षित कार्यालयों या घरों से वर्चुअल (आभासी) रूप सेइस समारोह में शामिल हुए।

56वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के समापन की घोषणा करते हुए अध्यक्ष, आईआईएमए शासी मंडल की घोषणा के साथ वर्चुअल(आभासी) समारोह का समापनहुआ।

आज उत्तीर्ण होने वाले छात्रों केसाथ, आईआईएमएके पास लगभग 39,600 पूर्वछात्र हो जाएंगे, जिनमेंव्यापार जगत के अग्रणी, उद्यमी, नीति निर्माता, राजनयिक, शिक्षाविद, सामाजिक क्षेत्र के परिवर्तनकर्ता, कलाकार, प्रतिष्ठित लेखक, और अन्यशामिल हैं।

**आईआईएम अहमदाबाद के बारे में:**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) एक प्रमुखवैश्विक प्रबंधन संस्थान है जो प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में सबसे आगे है। अपने अस्तित्व के 60 वर्षों में, यह अपने विशिष्ट शिक्षण, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान के माध्यम सेभविष्य के नेतृत्व का पोषण करते हुए,उद्योग, सरकार, सामाजिक उद्यम का समर्थन करते हुए, और समाज पर एक प्रगतिशील प्रभाव सृजित करते हुए छात्रवृत्ति, अभ्यास और नीति में अपने अनुकरणीय योगदान के लिए जाना जाता है।

आईआईएमएकी स्थापना 1961 में सरकार, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाविदों द्वारा एक अभिनव पहल के रूप में की गई थी। तब से यह अपने वैश्विक पदचिह्न को मजबूत कर रहा है और आज इसका 80 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों और दुबई में अपनी उपस्थिति के साथ एक नेटवर्क है। इसके प्रमुख संकाय सदस्य और करीब 40,000 पूर्वछात्र, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रभावशाली पदों पर हैं, इसकी वैश्विक मान्यता में भी योगदान करते हैं।

इन वर्षों में, आईआईएमएके शैक्षणिक रूप से बेहतर, बाजार से प्रेरित और सामाजिक रूप से प्रभावशाली कार्यक्रमों ने उच्च प्रतिष्ठा और विश्व स्तर पर प्रशंसा अर्जित की है। यह ईक्विससे अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संस्थान बना है। प्रसिद्ध प्रमुख कार्यक्रम दो-वर्षीय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) को प्रबंधन रैंकिंग 2020 में एफ़.टी.स्नातकोत्तर में 20वाँ स्थान दिया गया है और कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एक-वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) को एफ़.टी. ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2021 में 48वें स्थान पर रखा गया है। संस्थान को भारत सरकार के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ़), भारत रैंकिंग 2020 में भी पहले स्थान पर रखा गया है। आईआईएमएव्यावसायिक अग्रणियों, नीति निर्धारकों, उद्योग के व्यवसायियों, शिक्षाविदों, सरकारी अधिकारियों, सशस्त्र बलों के कर्मियों, कृषि-व्यवसाय और अन्य आला क्षेत्रों के विशेषज्ञों एवं उद्यमियों से युक्त विविध दर्शकों के लिए परामर्शी सेवाएँ, 200 से अधिक प्रबंधित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम, अनुकूलित, मिश्रित और खुले नामांकन प्रारूप के कार्यक्रम प्रदान करता है। आईआईएमएके बारे में अधिक जानने के लिए, कृपया यहाँक्लिक करें : [**https://www.iima.ac.in/**](https://www.iima.ac.in/)

**For media related queries, please contact:**

**Ms. Ishita Solanki | IIMA |Email:** **pr@iima.ac.in**